This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1461**

Unique Paper Code : **210501** **D**

Name of the Paper : **Text of Indian Philosophy–I**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिंदी में से किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt *five* questions in all.

All questions carry equal marks.

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Explain critically Nāgārjuna's interpretation of Pratītya Samutpādavāda. Distinguish it from the interpretation given by Hīnayāna.

   नागार्जुन द्वारा प्रस्तावित प्रतीत्य समुत्पादवाद संबंधी अवधारणा की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए। हीनयान से इसकी भिन्नता को दर्शाइए।

P.T.O.

Or

(अथवा)

2. Examine Nāgārjuna's critique of causality.

नागार्जुन की कारणता संबंधी आलोचना की परीक्षा कीजिए।

3. Explain the dialectic of Nāgārjuna. Does Nāgārjuna propose a thesis of his own ? Give reason for your answer.

नागार्जुन की 'प्रसंग पद्धति' की व्याख्या कीजिए। क्या नागार्जुन अपना कोई सिद्धान्त पेश करता है ? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

Or

(अथवा)

4. Examine the significance of catuṣkoṭi in the philosophy of Nāgārjuna.

नागार्जुन के दर्शन में चतुष्कोटि के महत्व की परीक्षा कीजिए।

5. Explain Nāgārjuna's concept of Śūnyatā. Does it entail nihilism ? Discuss.

नागार्जुन की शून्यता संबंधी अवधारणा की व्याख्या कीजिए। क्या यह अवधारणा नाशवाद (निहिलिज्म) से बंधित है ? चर्चा कीजिए।

Or

(अथवा)

6. Examine Nāgārjuna's notion of Niṣsvabhāvatā.

नागार्जुन की निःस्वभावता संबंधी अवधारणा की परीक्षा कीजिए।

7. "The bliss consists in the cessation of all thought in the quiescence of plurality. No separate reality was preached at all. Nowhere and none by Buddha." Discuss.

"सर्वोपलम्भोपशमः प्रपच्चोपशमः शिवः न क्वचित् कस्यचित् कश्चिद् धर्मो बुद्धेन देशितः।" व्याख्या कीजिए।

Or

(अथवा)

8. Examine the nature of Nirvāṇa according to *Mūlamadhyamaka Kārikā.*

मूलमध्यमककारिका के अनुसार निर्वाण के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

9. Write short notes on any *two* :

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*i*) Dharma nairātmya and pudgala nairātmya

धर्म नैरात्म्य और पुद्गल नैरात्म्य

(*ii*) Avyākṛta Praśna (Indeterminate questions)

अव्याकृत प्रश्न

(*iii*) Samvṛit Satya and Paramārth Satya

संवृत सत्य और परामार्थ सत्य